प्राण प्रतिष्ठा जीवन शक्ति के संचार के रूप में होती है : पंड्या

बड़नगर । ग्राम सुंदराबाद में खेडादेवत श्री नर्मदेश्वर महादेव का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव यज्ञाचार्य देवकरण पंड्या के आचार्यत्व में सोमवार को उल्लासमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आपने कहा की प्राण प्रतिष्ठा जीवन शक्ति के संचार के रूप में होती है, जहां मूर्ति में दिव्य तत्व स्थापित होता है ताकि वह भक्तों की पूजा स्वीकार कर सके।

दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन अवसर पर भगवान शिव मां पार्वती श्री गणेश और कार्तिकेय नंदी जी की प्रतिमा की स्थापना की गई। जूना अखाड़ा के महंत मृदुल मस्त गिरी जी महाराज ने कहा कि वर्तमान में सत्य सनातन धर्म की चारों तरफ जयजय कार हो रही है, इसका मुख्य कारण वर्तमान युवा पीढ़ी में सनातन के प्रति लगाव बड़ा है। आपने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बने इसकी शुरुआत हिंदू समाज को प्रतिदिन मंदिर जाने के साथ विभिन्न सनातन के कार्यों में अग्रणी होना पड़ेगा। मुख्य यजमान संदीप पंड्या रहे। आचार्य के रूप में कैलाश नारायण शर्मा, शिवम शर्मा, शैलेंद्र शर्मा महावीर, दक्ष पंड्या ने अपनी सेवाए दी।

सार्वजनिक मंदिर निर्माण में पूरे गांव का सहयोग रहा, इस धर्म कार्य में मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम पंचायत सरपंच ज्योति पंड्या ने उपस्थित आचार्यगण का पीतांबर वस्त्र भेट कर अभिनंदन किया, साथ ही मंदिर निर्माता शांतिलाल, मिस्त्री एवम पुजारी दिलीप बैरागी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपक पंड्या ने किया।

तक़रीरी मुकाबला एवं इस्लामी क्विज़ कॉम्पिटिशन में जीतने वाले छात्र- छात्राओं का पुरस्कार वितरण समारोह

उज्जैन। जूना सोमवारिया रिंग रोड स्थित कुरैशी सम्मेलन हॉल मे सीरतुन्नबी कमेटी के बैनर तले हर साल की तरह इस साल भी तीन दिवसीय तक़रीरी मुकाबला ओर इस्लामी क्विज़ कॉम्पिटिशन 2025 का प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर भाग लेने वाले प्रतिभागियों को इनामात तक़सीम किए गए।

कमेटी के सदर हाजी फ़हीम सिकंदर ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के 7 साल की उम्र से लेकर 40 साल तक के लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया और इस्लाम धर्म पर पूछे गए सवालों का जवाब दिया। समाज के बच्चों में अदबी, इल्मी और समाजी शख्सियत को निखारने तथा अपने मुल्क हिंदुस्तान से मोहब्बत और वतनपरस्ती के जज़्बे को मज़बूत करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर क़ाज़ी खलीकुर्रेहमान, खंडवा के क़ाज़ी सय्यद अली, इंदौर से मध्य प्रदेश अल्पसंख्यक के शेख अलीम, पत्रकार इकबाल परवेज़, कासिम बरकाती, याकूब मेमन सलीम अंसारी, खामोश दस्तक के शादाब लाला सहित कई मेहमान उपस्थित थे।कार्यक्रम में टॉप 5 सहित सभी बच्चों को मोमेंटो और लैपटॉप, कंप्यूटर सिस्टम, फ्रिज, वाशिंग मशीन, गोदरेज अलमारी, रेंजर सायकल कंप्यूटर टेबल, स्टडी टेबल, मिक्सर, जेसे कई इनामात और मेमोंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे बच्चों द्वारा देशभक्ति के गीत पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में बच्चों के पेरेंट्स एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान खंडवा के क़ाज़ी ने कहा कि बच्चों को शिक्षा देना बहुत ही जरूरी है, ऐसे कार्यक्रम से बच्चों को कहीं ना कहीं सीखने को मिलता है और आगे बढ़ेंगे। इस मौके पर डॉ निजाम हाशमी, रफीक कुरैशी, सरफराज कुरैशी, नईम खान, समीर खान, रशीद बैतूलमाल, बिलाल हसन मुफ्ती आसिम सिराजी मुफ्ती आरिफ नागौरी, पार्षद जाहिद हुसैन इमरान खान शेर बहादुर भाई, अफजल भाई, वसीम बंटी भाई, सहित शहर की नामवर शख्सियत, समाज सेवी, साहित्यकार, इस प्रोग्राम का हिस्सा बनी कमेटी के सदर हाजी फहीम सिकंदर, नायब सदर इरफान उल्लाह, इरफान राईन, समीर उल हक़, आशिक हुसैन अच्छू, ज़हीर शेख़, सचिव नदीम खान, आमिर खान, ,भूरू अंसारी, जाहिद पठान, इब्राहिम पठान, दानिश पठान, अज़ीम पठान, आबिद गुड्डू भाई, उस्मान हसन, सरफराज हुसैन, शफीक खान कैटकॉम, जब्बार कुरैशी फर्नीचर, चौधरी हयात शेख, कादर ठेकेदार, हारून खा, शाहनवाज, सोनू अल्फैज़ सिकंदर आदि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक नजर में

रक्तदान शिविर में कुल 27 यूनिट रक्तदान

नागदा। नागदाह अग्निहोत्री ब्राह्मण समाज नागदा द्वारा मानव सेवार्थ एक विशाल रक्तदान शिविर 9 नवम्बर रविवार को गुरुकुल स्कूल प्रकाश नगर गली नंबर 3 में किया गया। उज्जैन से आई रक्तदान के लिए सिविल हॉस्पिटल उज्जैन से आई टीम ने कुल 27 यूनिट रक्तदान कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप रावल, प्रकाश जैन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शालिग्राम ने की। कार्यक्रम में समाज के कोषाध्यक्ष गोपाल शर्मा, राजेश शर्मा बैंक वाले, निलेश मेहता, जगदीश शर्मा, रामप्रसाद शर्मा, हरिकिशोर पुरोहित, डॉ. राकेश शर्मा, राजेश शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, निरंजन भट्ट, राजेश सिसोदिया, राजेंद्र व्यास, लोकेंद्र व्यास, नरेंद्र व्यास, योगेश शर्मा, संतोष शर्मा, रोहित शर्मा, जयंत शर्मा, चंद्रशेखर भट्ट, शशिकांत शर्मा, विनोद शर्मा, शुभम शर्मा, महिला मंडल से चंद्रकांता शर्मा, इंदू पुरोहित, राधा व्यास, अर्चना शर्मा, कृष्णा शर्मा, साधना शर्मा, वंदना शर्मा, मीनाक्षी व्यास, पल्लवी शर्मा, शोभा शर्मा, अंगूरबाला सिसोदिया, रेणुका व्यास, आयुषी शर्मा, खुशी सिसोदिया आदि समाजजन उपस्थित हुए। समिति ने सभी का आभार प्रकट किया।

श्री घोड़ा पछाड़ भैरव मंदिर पर होगा विशाल भंडारा

महिदपुर। श्री घोड़ा पछाड़ भैरव शक्तिपीठ पर मार्गशीर्ष अगहन माह की कृष्ण पक्ष अष्टमी को श्री काल भैरवाष्टमी के पावन दिवस पर विशाल भंडारे का आयोजन रखा गया। आज 11 नवंबर को सायं काल रुद्राभिषेक होकर रात्रि में भैरव महाराज का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। बुधवार अष्टमी को प्रात: काल 10.30 बजे ध्वज चल समारोह मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर देवालयों पर ध्वज अर्पित कर प्रात: 11 बजे श्री यज्ञनारायण जी स्थापना के साथ ही यज्ञ प्रारंभ होगा जो कि सायकल 4.15 बजे पूर्णाहुति के साथ महाआरती संपन्न होगी। पश्चात भैरव जी का महाभोग भंडारा प्रारंभ किया जाएगा जो की देर रात तक निरंतर रहेगा। समस्त धर्मप्राण जनता से निवेदन है कि काल भैरव अष्टमी पर आयोजित भंडारे में तन मन धन से सहयोग कर महाप्रसाद एवं महाआरती का लाभ लें।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई

महिदपुर। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को देशभर में 07 नवम्बर से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी अनुक्रम में 10 नवम्बर को नगरपालिका कार्यालय महिदपुर में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर नगरपालिका के सभी शाखा प्रभारी एवं कार्यालय स्टॉफ उपस्थित रहा। गीत गायन निलेश दावरे द्वारा किया गया, जानकारी मुख्य लिपिक नवीन मिश्रा द्वारा दी गई।

खाचरौद हुआ 12 वां नेत्रदान

खाचरौद। चंदरबाई बाबूलाल वनवट का असमयिक निधन होने पर उनके पुत्र विजय कुमार वनवट एवं पोत्र नामित वनवट (मैत्री परिवार के सदस्य) की सहमति से तथा गीता भवन न्यास समिति के माध्यम से खाचरौद में 12वां नेत्रदान संपन्न हुआ। परिवारजनों के त्वरित निर्णय पर डॉ. दरवाल ने बताया कि चंद्रबाई के नेत्र दो व्यक्तियों को शीघ्र ही प्रत्यारोपित किए जाएंगे, जिससे दो घरों में नई रोशनी लौटेगी। नेत्रदान की इस पुण्य प्रक्रिया में सहयोग एवं उपस्थिति प्रदान करने वालों में राजेंद्र नांदेचा, अरुण लुणावत, राजेश चौपड़ा, आयुष बरडिया, संदीप मांडोत, मनीष मेहता, पुनीत मेहता, स्वप्निल सुराणा एवं विक्की चत्तार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद में हुआ वंदे मातरम का आयोजन

बड़नगर। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में 1 से 7 नवंबर समारोहपूर्वक आयोजन किया जाना है। जिस तारतम्य में 10 नवम्बर 2025 को प्रात: 10.00 बजे नगर पालिका कार्यालय में अभय टोंग्या अध्यक्ष नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में एवं अनिता वर्मा उपाध्यक्ष , नवीन राठौड अध्यक्ष, धीरेन्द्र पाराशर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बड़नगर की उपस्थिति में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम का संगीतमय गायन विध्यांजली विद्यालय के बच्चों द्वारा किया गया। कार्यक्रम पश्चात् विध्यांजली विद्यालय के छात्र/छात्राओं को उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महेन्द्र सिंह परमार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, उषा सोनी जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, रेखा राठौड, राजकुमारी निम्बोला आदि गणमान्यजनों सहित अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे, कार्यक्रम का संचालन पार्षद रितेश जैन द्वारा किया गया एवं आभार मुख्य नगर पालिका अधिकारी एमआर निगवाल ने माना।

महामृत्युंजय महाकाल मंदिर धाम में मनाया अन्नकूट महोत्सव

उज्जैन। महामृत्युंजय द्वार स्थित महामृत्युंजय महाकाल मंदिर महामृत्युंजय धाम में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। जिसमें पुजारी रमन गुरु, पुजारी दिनेश गुरु के सानिध्य में महादेव को महाभोग, 56 भोग अर्पित किए गए। प्रतिवर्ष अनुसार आयोजन का यह नवां वर्ष था। आरती सुशोभित उमेश गुरु ने की। महाप्रसाद का वितरण समाहित गोपाल गुरु द्वारा किया गया।

पुजारी रमन गुरु, निर्मला त्रिवेदी ने सभी भक्तों का स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र चतुर्वेदी एवं सभी सदस्य मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. हरिमोहन बुधौलिया ने कहा यह भव्य आयोजन भगवान महाकाल की अटूट श्रद्धा और विश्वास का परिणाम है। जीतू गुरु महाकाल प्रबंध समिति के सदस्य सत्यनारायण जोशी, पुरोहित अशोक जोशी, पुरोहित सुभाष शर्मा, पुरोहित अनंतनारायण शर्मा, महेंद्र कटियार, ऋषभ बाबू यादव मंडली सहित पधारकर पुजारी गोपाल गुरु को जन्मदिन की बधाई दी। वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण जायसवाल ने अभिषेक किया। पुजारी देव अमिष त्रिवेदी, पुजारी विनायक त्रिवेदी, डॉ. क्षमाहिता उपाध्याय, कुमारी संजोग, कुमारी शिप्रा, कुमारी देवी, माधुरी त्रिवेदी, कोमल त्रिवेदी आदि मौजूद रहे। इस आयोजन में उज्जैन के प्रतिष्ठित भक्तों ने हिस्सा लिया। सैकड़ों लोगों ने दर्शन का लाभ लिया और भोजन प्रसादी ग्रहण की।

विश्वकर्मा गुजराती का अन्नकूट महोत्सव संपन्न

माकड़ोन। श्री विश्वकर्मा महादेव मंदिर, विश्वकर्मा गुजराती समाज धर्मशाला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। समाज के अध्यक्ष मोहनलाल विश्वकर्मा तथा महिला मंडल अध्यक्षा उषा शर्मा के नेतृत्व में कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन में अनिल विश्वकर्मा का विशेष योगदान रहा। सुंदर सजावट के बीच भगवान विश्वकर्मा एवं बाबा महाकालेश्वर को छप्पन भोग अर्पित किया गया। सैकड़ों की संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। युवा साथियों ने परंपरागत उत्साह के साथ महा आरती की, जिसमें भक्तों ने भावपूर्ण भागीदारी निभाई। आरती उपरांत सभी को प्रसादी वितरित की गई। आसपास के क्षेत्रों से पधारे समाज बंधुओं का भव्य स्वागत, वंदन और अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित राम प्रसाद जी सुमेरिया सहित अन्य अतिथियों ने समिति परिवार की सराहना करते हुए आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था और समाज की एकता की प्रशंसा की। भजन मंडलियों का स्वागत प्रभु लाल विश्वकर्मा ने किया। पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा और वातावरण पूर्णत: भक्तिमय बन गया। यह वार्षिक आयोजन समाज की सांस्कृतिक एकता और परंपरा का प्रतीक बन चुका है। समिति परिवार एवं समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया, जिसके लिए आयोजक मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शासकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय बेवीनार संपन्न

महिदपुर। शासकीय महाविद्यालय में 30 अक्टूबर को महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयाम विषय पर को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग की दिशा निर्देश अनुसार भूगोल विभाग ने कराया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में रूप में प्रोफेसर रोली कंचन भूगोल विभाग महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा गुजरात एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. पुरुषोत्तम बाल समाजशास्त्र विभाग उत्कल विश्वविद्यालय उड़ीसा ने किया एवं इस अवसर महत्वपूर्ण विद्वान वक्ता उपस्थित थे। जिन्होंने मुक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किया। प्रारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आशा सक्सेना ने किया। वेबीनार के मुख्य आयोजन सचिव शासकीय महाविद्यालय के डॉ. जाकिरुद्दीन अहिंगर ने किया। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ भूगोल विभाग के नेतृत्व में किया गया। सह संयोजक सहायक प्राध्यापक डॉ. घनश्याम सिंह थे। वेबीनार के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों का योगदान रहा। अंत में प्राध्यापिका डॉ. शालिनी विजयवर्गीय ने आभार व्यक्त किया। प्रतिवेदन डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने किया।

विश्व शांति पर दिए गए स्लोगन टूगेदर एस वन पर हुई पीस पोस्टर्स प्रतियोगिता

उज्जैन। लायंस क्लब उज्जैन ऊर्जा एवं लायंस क्लब अनुराग द्वारा संयुक्त रूप से पीस पोस्टर्स प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अध्यक्ष संजीव कुमार आचार्य एवं सचिव किरण पंचारिया के अनुसार देवास रोड स्थित महाराजा इंटरनेशनल स्कूल में डॉ.सत्येंद्र श्रीवास्तव, डॉ. नीलिमा मित्तल, जेपी पंचारिया, संजय मित्तल, आरयू खान की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के 11 वर्ष से 13 वर्ष की आयु के 75 बच्चों ने लायंस इंटरनेशनल द्वारा विश्व शान्ति पर दिये गये स्लोगन टूगेदर एस वन विषय पर सुंदर चित्रण किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी समस्त बच्चों को ड्रॉइंग कीट एवं प्रमाणपत्र अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष संजीव आचार्य, डॉ.राम मोहन शुक्ल, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर केएम अवस्थी, ओमप्रकाश जाटव, सचिव किरण पंचारिया, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गोयल, रेखा गोयल के साथ ही विद्यालय के अध्यापक भी उपस्थित रहे। अंत में सभी का आभार क्लब सचिव किरण पंचारिया ने माना।

एक नजर सतगुरु माता सुदीक्षा ने दिया आत्म मंथन के विविध पहलुओं पर आधारित संदेश

78वें निरंकारी संत समागम में शामिल हुए उज्जैन के निरंकारी श्रध्दालु

उज्जैन। प्रेम, सेवा, समर्पण, सत्य ज्ञान से ओतप्रोत 78वां निरंकारी संत समागम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें चारों दिन लगातार समागम के मुख्य विषय: पर आधारित संदेश दिया गया। सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजापिता रमेश की पावन छत्रछाया में हरियाणा के समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल में 650 एकड़ के विशाल मैदान में हुए संत समागम में पूरे भारतवर्ष एवं विदेश के लाखों भक्तों सहित उज्जैन क्षेत्र के जोनल इंचार्ज राजकुमार गनवानी के सानिध्य में उज्जैन ब्रांच के संचालक मडू परमार, शिक्षक बंशीलाल पाल, सुमित्रा अवतानी के साथ निरंकारी श्रध्दालु सम्मिलित होकर आध्यात्मिकता के अनूठे आनंद से लाभान्वित हुए।

विनोद गज्जर ने बताया कि उज्जैन के सेवा दल, बहनों, भक्तों ने समागम में बने टेंट के रोड पर अपनी सफाई सेवाएं अर्पित की, इसके साथ ही निरंकारी प्रदर्शनी, प्रेस एवं प्रदर्शनी में रात दिन अपनी सेवाएं देकर लाभान्वित हुए।

समागम में विश्व भर से पहुंचे विशाल मानव परिवार को संबोधित करते हुए सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज ने फरमाया कि आत्म मंथन केवल विचार करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि अपने भीतर झांकने की साधना है जो परमात्मा के एहसास से सरल हो सकती है। आत्म मंथन वास्तव में स्वयं के सुधार का मार्ग है। जब मन निरंकार परमात्मा से जुड़ता है तो भीतर की शांति और बाहर का व्यवहार दोनों दिव्यता से भर जाते हैं। जीवन में यदि हम निराकार परमात्मा की उपस्थिति का एहसास करते हुए हर कार्य करते हैं तो वह निर्लेप प्रभाव से युक्त सेवा ही बन जाता है। जिससे जीवन के दोनों पहलुओं की पूर्ति हो जाती है।

सतगुरु माता सुतीक्षा जी महाराज ने कहा कि एक निराकार परमात्मा ही है जो सदैव काल सत्य रहने वाला है। जब इस स्तोत्र के साथ जोड़कर सत्य के भाव में समाहित हो जाते हैं तो फिर कोई विपरीत भाव मन में उत्पन्न नहीं होता है। समागम का मुख्य विषय आत्म मंथन भी इसी और अग्रसर करता है।

राजापिता रमित ने अपने पावन विचार प्रकट करते हुए कहा कि परमात्मा एक सार्वभौमिक सत्य है जो पहले भी सत्य था, आज भी सत्य है, और आगे भी सत्य ही रहेगा। परमात्मा की पहचान करके ही सार्वभौमिक सत्य को जाना जा सकता है और जानने के उपरांत समझ में आता है कि यह परम सत्य प्रत्येक जीव के लिए एक ही है। इस सत्य को जानने का अधिकार हर मानव को है, इस परम सत्य का बोध करने के लिए ही सतगुरु धरा पर प्रकट होते हैं।

दूसरे दिन हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष ने अपनी अर्धांगिनी के साथ समागम में पधार कर सतगुरु माता एवं निरंकारी रात पिता का आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके प्रति अपना आदर सम्मान प्रकट करते हुए कहा कि निरंकारी मिशन की दिव्य विचारधारा एवं मानवता के प्रति निष्काम सेवाओं की प्रशंसा की, वहीं निरंकारी सेवा दल के स्वयं सेवकों की मर्यादा एवं अनुशासन की भी सरहाना की।

समागम के तीसरे दिन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समागम में पधार कर सद्गुरु के आशीष प्राप्त किए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन आत्म मंथन आत्म सुधार एवं समाज निर्माण का स्त्रोत है। यहां सारे भेदभाव से ऊपर उठकर मानव को मानव बनने की शिक्षा दी जाती है। आध्यात्मिक जागरूकता के साथ-साथ मिशन समाज कल्याण के कामों में भी अनुकरणीय योगदान दे रहा है जो अत्यंत सराहनीय है।